Edition: July 2026

HAMETI DARPAN

MONTHLY NEWS LETTER

HARYANA AGRICULTURAL MANAGEMENT & EXTENSION TRAINING INSTITUTE (HAMETI)

(An Institute of Agriculture & Farmers Welfare Department, Haryana)

By-Pass Rohtak Road, JIND-126 102 (Haryana)

विजयेंद्र कुमार, IAS
अतिरिक्त मुख्य सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा

मुझे यह कहते हुए हर्ष का अनुभव हो रहा है कि हरियाणा कृषि प्रबन्धन एंव प्रशिक्षण संस्थान "हमेटी" अपने मासिक समाचार पत्र "हमेटी दर्पण" का प्रकाशन कर रहा है । इस समाचार पत्र के माध्यम से कृषि से सम्बन्धित सभी अवशयक सुचनाएं, सलाह, कृषि एवं किसान विभाग द्वारा किसान हित में चलाई जा रही योजनाएं व किसानों के लिए आयोजित किए जाने प्रशिक्षणों की जानकारी समय पर गाँव गाँव तक पहुँच सकेगी । यह समाचार पत्र किसानों को "हमेटी व कृषि एंव किसान कल्याण विभाग के साथ जोड़ने में मददगार होगा । मैं इस मासिक समाचार पत्रिका हमेटी दर्पण "के सफल प्रकाशन की कामना करता हू ।"

श्री राजनरायण कौशिक IAS
महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा

हमेटी, जींद मासिक समाचार पत्रिका 'हमेटी दर्पण' का प्रकाशन कर रही है, यह अति हर्ष का विषय है । हमेटी जींद निरंतर कृषि और किसान के हित में अतुल्य सहयोग दे रही है और यह हमारे लिए गर्व की बात है। हमेटी, जींद द्वारा किए जा रहे नए-नए प्रयास निरंतर सफलता के कीर्तिमान स्थापित करने जा रहे हैं। हमेटी दर्पण भी उन्हीं सफल प्रयासों में से एक है। हमेटी दर्पण के माध्यम से किसानों का जो ज्ञानवर्धन होगा वह अत्यंत सराहनीय होगा। मैं हमेटी की मासिक समाचार पत्रिका 'हमेटी दर्पण' के सफल प्रकाशन की मंगलकामना करता हूं और पुनः हमेटी स्टाफ को इस नई पहल के लिए बधाई देता हूँ ।

डॉ सुरेंद्र सिंह यादव
निदेशक , हमेटी , जींद

हमेटी, जींद मासिक समाचार पत्रिका 'हमेटी दर्पण' का प्रकाशन कर रही है, यह अति हर्ष का विषय है । 'हमेटी दर्पण' किसानों के लिए ज्ञानवर्धक पत्रिका साबित होगी। हमेटी जींद निरंतर कृषि और किसान के हित में अतुल्य सहयोग दे रही है और यह हमारे लिए गर्व की बात है। हमेटी, जींद द्वारा किए जा रहे नए-नए प्रयास निरंतर सफलता के कीर्तिमान स्थापित करने जा रहे हैं। हमेटी दर्पण भी उन्हीं सफल प्रयासों में से एक है। हमेटी दर्पण के माध्यम से किसानों का जो ज्ञानवर्धन होगा वह अत्यंत सराहनीय होगा।

संपादक की कलम से ...

किसान भाइयो जैसा की आप सभी को विदित है जल प्रकृति की अमूल्य देन है जो जीवन के लिए अति आवश्यक तत्व है व इसका कोई अन्य विकल्प भी नहीं है । मनुष्य के साथ-साथ पेड़-पौधों, जीव- जंतुओं, पशु-पक्षियों आदि सभी का जीवन जल के बग़ैर संभव ही नहीं है। इस ब्रह्मांड में कुल उपलब्ध पानी का लगभग 97% हिस्सा पीने या खेती के योग्य ही नही है जो की समुद्रों में भरा पड़ा है। केवल 3% पानी ही पीने या कृषि योग्य है। इसमें से भी लगभग 1.5% पानी बर्फ के रूप में ग्लेशियरों पर जमा पड़ा है। प्रकृति की इस अमूल्य धरोहर का प्रयोग हमें सोच समझ कर करना चाहिए। इसे कभी भी व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए। जल का बचाव करना हम सब का नैतिक कर्तव्य है। हमें इसका सदुपयोग करना होगा। आईए हम सब भारत सरकार व हरियाणा सरकार द्वारा चलाए जा रहे "जल शक्ति अभियान" व "मेरा पानी मेरी विरासत" जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के साथ जुड़कर जल बचाओ व जल संरक्षण में अपना योगदान दें। बारिश का सीजन शुरू हो चुका है, वर्षा के पानी का ज्यादा से ज्यादा संरक्षण करें। अपने खेत की मेड़ों को मजबूत बनाकर बारिश के पानी को अपने खेत में ही रोकें, इसे व्यर्थ न जाने दें। फालतू पानी को रिचार्ज बोरवेल से जमीन में नीचे उतारें और वाटर रिचार्जिंग करें। धान की बजाय कम पानी की जरूरत वाली फसलों को प्राथमिकता दे। धान को छोड़कर दूसरी अन्य फ़सलों की बिजाई करने या खेत खाली छोड़ने पर हरियाणा सरकार की ₹8000 प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि देनें वाली "मेरा पानी मेरी विरासत" जैसी कल्याणकारी योजना का फायदा उठाएं। धान की भी सीधी बिजाई को ही अपनाएं। अपने खेतों में व आसपास की जमीन में ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाएं। सिंचाई हेतु तालाब बनाकर टपका या फव्वारा जैसी जल बचाने वाली सिंचाई की विधि अपनाएं। प्राकृतिक खेती को अपनाएं व अपनी फसलों में आच्छादन/मलचिंग का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करें। जहरीले कीटनाशकों व रसायनिक उर्वरकों का कम से कम प्रयोग कर पानी को प्रदूषित होने से बचाएं। अपने दैनिक कार्यों में भी जल का सदुपयोग कर पानी की एक-एक बूंद को बचाएं।

आईए, जल बचाव व जल संरक्षण वाले इस पुण्य के कार्य में हम सब अपनी भागीदारी निभाएं।

" जल है तो जीवन है "

"रहिमन पानी राखिय बिन पानी सब सुन , पानी गए ना उपजे मोती ,मानुष , चून "

HARYANA AGRICULTURAL MANAGEMENT & EXTENTION TRAINING INSTITUTE (HAMETI)

प्राकृतिक खेती के सफल मॉडलों का अवलोकन करने पहुँचे सीआरपी किसान

हमेटी, जींद में 29 जून 2026 से 03 जुलाई 2026 तक आयोजित द्वितीय चरण के 5-दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत सीआरपी किसानों ने अपने एक्सपोजर विजिट के दौरान ग्राम कंडेला स्थित सुनील नेचुरल फार्म तथा ग्राम अहीरका स्थित एस एंड एस ऑर्गेनिक फार्म का भ्रमण किया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

इस भ्रमण के दौरान किसानों ने प्राकृतिक खेती के सफल मॉडलों का अवलोकन किया तथा जीवामृत, घनजीवामृत, मल्चिंग, प्राकृतिक पोषण प्रबंधन एवं टिकाऊ खेती तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की। साथ ही प्रगतिशील किसानों से संवाद कर प्राकृतिक खेती के सफल अनुभवों और नवाचारों को समझा।

इस प्रकार के एक्सपोजर विजिट किसानों के व्यावहारिक ज्ञान को समृद्ध करते हैं तथा प्राकृतिक खेती को गाँव-गाँव तक पहुँचाने और पर्यावरण-अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह हमेटी, जींद में आयोजित

हमेटी, जींद में 29 जून 2026 से 03 जुलाई 2026 तक आयोजित द्वितीय चरण के 5-दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह एवं प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन्स (CRPs) को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती के मूल सिद्धांतों, जीवामृत, घनजीवामृत, मल्चिंग, वाफसा, जैविक इनपुट निर्माण, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा टिकाऊ कृषि तकनीकों की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही एक्सपोजर विजिट एवं विशेषज्ञ व्याख्यानों के माध्यम से किसानों की तकनीकी क्षमता का भी विकास किया गया। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम प्राकृतिक खेती को जन-जन तक पहुँचाने, किसानों की क्षमता बढ़ाने तथा पर्यावरण-अनुकूल एवं टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमेटी, जींद में कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हमेटी, जींद में एनएफएसएनएम (NFSNM) योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 07 जुलाई 2026 को डॉ. रिंकू पूनिया, सहायक प्रोफेसर, कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय, कौल, सीसीएसएचएयू, हिसार ने "कपास में कीट सर्वेक्षण (Pest Surveillance) का महत्व एवं समेकित कीट प्रबंधन (Integrated Insect&Pest Management)" विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

इस सत्र में प्रतिभागियों को कपास फसल में प्रमुख कीटों की समय पर पहचान, नियमित निगरानी, समेकित कीट प्रबंधन (IPM) की वैज्ञानिक तकनीकों तथा फसल सुरक्षा के प्रभावी उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही रासायनिक कीटनाशकों के संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग पर भी विशेष बल दिया गया। इस प्रकार के विशेषज्ञ व्याख्यान किसानों एवं कृषि विस्तार अधिकारियों के तकनीकी ज्ञान को समृद्ध करते हैं तथा वैज्ञानिक एवं टिकाऊ कपास उत्पादन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमेटी, जींद में कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन एवं समूह फोटो

हमेटी, जींद में एनएफएसएनएम (NFSNM) योजना के अंतर्गत 07 एवं 08 जुलाई 2026 को आयोजित दो दिवसीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन अवसर पर प्रतिभागियों का समूह फोटो लिया गया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को कपास की उन्नत उत्पादन तकनीकों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, समेकित कीट एवं रोग प्रबंधन, गुणवत्तायुक्त बीज, नवीन कृषि तकनीकों तथा वैज्ञानिक खेती की आधुनिक विधियों की जानकारी विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की गई।

इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों एवं कृषि विस्तार अधिकारियों के तकनीकी ज्ञान और कौशल को सुदृढ़ करते हैं तथा हरियाणा में वैज्ञानिक एवं टिकाऊ कपास उत्पादन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमेटी, जींद में कपास उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण के दौरान एकीकृत रोग प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSM) के अंतर्गत 08 जुलाई 2026 को हमेटी, जींद में आयोजित कपास उत्पादन तकनीक विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डॉ. अनिल सैनी, सहायक पादप रोग विशेषज्ञ (Assistant Pathologist), कॉटन सेक्शन, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार ने प्रतिभागियों के साथ संवाद करते हुए "कपास में एकींत रोग प्रबंधन (Integrated Disease Management) विशेष रूप से पेरा/सडन विल्ट (Para/Sudden Wilt) के प्रभावी प्रबंधन" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

व्याख्यान के दौरान डॉ. सैनी ने कपास की फसल में होने वाले प्रमुख रोगों की पहचान, उनके कारण, रोकथाम एवं वैज्ञानिक प्रबंधन के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से पेरा (Para) एवं सडन विल्ट (Sudden Wilt) जैसी गंभीर समस्याओं की प्रारम्भिक पहचान, रोग के फैलाव को रोकने के उपाय, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, फसल चक्र, स्वच्छ खेती तथा समेकित रोग प्रबंधन (IDM) तकनीकों के महत्व पर प्रकाश डाला। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों एवं कृषि क्षेत्र से जुड़े प्रतिभागियों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कपास उत्पादन तकनीकों से अवगत कराना है, ताकि वे रोगों का समय रहते प्रभावी प्रबंधन कर अधिक उत्पादन, बेहतर गुणवत्ता तथा टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दे सकें।

हमेटी, जींद में कपास में समेकित कीट प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हमेटी, जींद में एनएफएसएनएम (NFSNM) योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 10 जुलाई 2026 को डॉ. अनिल जाखड़, सहायक एंटोमोल जिस्ट, कॉटन सेक्शन, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, सीसीएसएचएयू, हिसार ने "कपास में समेकित कीट प्रबंधन (Integrated Insect&Pest Management) एवं विशेष रूप से पिंक ब लवर्म (Pink Bollworm) के प्रभावी प्रबंधन" विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

इस सत्र में प्रतिभागियों को कपास फसल के प्रमुख कीटों की पहचान, नियमित निगरानी (Pest Surveillance), समेकित कीट प्रबंधन (IPM) की वैज्ञानिक तकनीकों तथा पिंक ब लवर्म की रोकथाम एवं प्रभावी नियंत्रण उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही रासायनिक एवं जैविक नियंत्रण विधियों के संतुलित उपयोग पर भी विशेष बल दिया गया। इस प्रकार के विशेषज्ञ व्याख्यान किसानों एवं कृषि विस्तार अधिकारियों के तकनीकी ज्ञान को समृद्ध करते हैं तथा वैज्ञानिक, टिकाऊ एवं लाभकारी कपास उत्पादन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमेटी, जींद में कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन एवं समूह फोटो

हमेटी, जींद में एनएफएसएनएम (NFSNM) योजना के अंतर्गत 09 एवं 10 जुलाई 2026 को आयोजित दो दिवसीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन अवसर पर प्रतिभागियों का समूह फोटो लिया गया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को कपास की उन्नत उत्पादन तकनीकों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, समेकित कीट एवं रोग प्रबंधन, गुणवत्तायुक्त बीज, आधुनिक कृषि तकनीकों तथा वैज्ञानिक खेती की नवीन विधियों की विस्तृत जानकारी विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की गई।

इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों एवं कृषि विस्तार अधिकारियों के तकनीकी ज्ञान एवं कौशल को सुदृढ़ करते हैं तथा हरियाणा में वैज्ञानिक, टिकाऊ एवं लाभकारी कपास उत्पादन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमेटी, जींद में धान उत्पादन प्रौद्योगिकी पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हमेटी, जींद में डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स (DAESI) टीपी नं. 3201 के अंतर्गत 12 जुलाई 2026 के प्रातःकालीन सत्र में डॉ. विनोद कुमार, सेवानिवृत्त उप मंडल कृषि अधिकारी (SDAO), कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा ने "धान उत्पादन प्रौद्योगिकी (Crop Production Technology of Paddy)" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को धान की उन्नत उत्पादन तकनीकों, गुणवत्तायुक्त बीज, पौध प्रबंधन, पोषक तत्व प्रबंधन, जल प्रबंधन तथा वैज्ञानिक खेती की आधुनिक विधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही अधिक उत्पादन एवं बेहतर गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए नवीन कृषि तकनीकों पर भी विशेष चर्चा की गई।

इस प्रकार के विशेषज्ञ व्याख्यान इनपुट डीलर्स के तकनीकी ज्ञान एवं सलाहकारी क्षमता को सुदृढ़ करते हैं, जिससे वे किसानों को वैज्ञानिक एवं प्रभावी कृषि मार्गदर्शन प्रदान कर सकें।

डीएईएसआई प्रशिक्षण, भिवानी में जल संरक्षण तकनीकों पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

कृषि विज्ञान केंद्र, भिवानी में आयोजित डीएईएसआई (Diploma in Agriculture EÛtension Services for Input Dealers) प्रशिक्षण, टी.पी. नं. 3341 के अंतर्गत 11 जुलाई 2026 के सायंकालीन सत्र में डॉ. जगदेव सिंह, सेवानिवृत्त प्रोफेसर (एग्रोनॉमी), सीसीएसएचएयू, हिसार ने "जल संचयन (Water Harvesting) का महत्व एवं शुष्क एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में इन-सीटू (In-situ) एवं एक्स-सीटू (Ex-situ) जल संचयन तकनीकें" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को वर्षा जल संरक्षण की आधुनिक तकनीकों, जल संसाधनों के कुशल उपयोग, मृदा एवं जल संरक्षण उपायों तथा शुष्क एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में टिकाऊ कृषि के लिए जल संचयन की वैज्ञानिक विधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही कृषि उत्पादन बढ़ाने में जल प्रबंधन के महत्व पर भी विशेष प्रकाश डाला गया।

इस प्रकार के विशेषज्ञ व्याख्यान प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान को समृद्ध करते हैं तथा जल संरक्षण एवं टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमेटी, जींद में कपास उत्पादन की उन्नत कृषि तकनीकों पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हमेटी, जींद में एनएफएसएनएम (NFSNM) योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 14 जुलाई 2026 को डॉ. करमल सिंह मलिक, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष, कॉटन सेक्शन, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, सीसीएसएचएयू, हिसार ने "हरियाणा में कपास की उत्पादकता बढ़ाने हेतु उन्नत कृषि तकनीकें (Advanced Agronomic Techniques to Increase the Productivity of Cotton in Haryana)" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया। व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को कपास की उन्नत कृषि तकनीकों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, जल प्रबंधन, फसल प्रबंधन तथा अधिक उत्पादन एवं लाभप्रदता प्राप्त करने के लिए आधुनिक वैज्ञानिक विधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस प्रकार के विशेषज्ञ व्याख्यान किसानों एवं कृषि विस्तार अधिकारियों के तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ करते हैं तथा वैज्ञानिक, टिकाऊ एवं उच्च उत्पादकता वाली कपास खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमेटी, जींद में कपास फसल में मृदा स्वास्थ्य एवं समेकित पोषक तत्व प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हमेटी, जींद में एनएफएसएनएम (NFSNM) योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय आवासीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 14 जुलाई 2026 को डॉ. शुभम लाम्बा, सहायक वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान), कॉटन सेक्शन, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, सीसीएसएचएयू, हिसार ने "कपास फसल में मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन एवं समेकित पोषक तत्व प्रबंधन (Soil Health Management and Integrated Nutrient Management in Cotton Crop)" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को मृदा स्वास्थ्य के महत्व, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, जैविक एवं रासायनिक उर्वरकों के समन्वित उपयोग, सूक्ष्म पोषक तत्वों की भूमिका तथा कपास की उत्पादकता एवं मृदा उर्वरता बढ़ाने के वैज्ञानिक उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस प्रकार के विशेषज्ञ व्याख्यान किसानों एवं कृषि विस्तार अधिकारियों के तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ करते हैं तथा वैज्ञानिक, टिकाऊ एवं लाभकारी कपास उत्पादन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमेटी, जींद में कपास के महत्व एवं बीटी कपास तकनीक पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हमेटी, जींद में एनएफएसएनएम (NFSNM) योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 15 जुलाई 2026 को डॉ. दीपक कुमार, सहायक वैज्ञानिक (पादप प्रजनन), कॉटन सेक्शन, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, सीसीएसएचएयू, हिसार ने ष्कपास का महत्व एवं कपास उत्पादन में बीटी कपास (Bt Cotton) तकनीक की भूमिकाष विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को कपास फसल के आर्थिक महत्व, बीटी कपास तकनीक की विशेषताओं, इसके लाभ, वैज्ञानिक उपयोग, उत्पादकता बढ़ाने में इसकी भूमिका तथा आधुनिक कपास उत्पादन तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही गुणवत्तापूर्ण बीज चयन एवं बेहतर फसल प्रबंधन पर भी विशेष बल दिया गया। इस प्रकार के विशेषज्ञ व्याख्यान किसानों एवं कृषि विस्तार अधिकारियों के तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ करते हैं तथा वैज्ञानिक, आधुनिक एवं टिकाऊ कपास उत्पादन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमेटी, जींद में कपास फसल के समेकित रोग प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हमेटी, जींद में एनएफएसएनएम (NFSNM) योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 15 जुलाई 2026 को डॉ. अनिल कुमार सैनी, सहायक पैथोल जिस्ट, कॉटन सेक्शन, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, सीसीएसएचएयू, हिसार ने "कपास में समेकित रोग प्रबंधन (Integrated Disease Management) तथा विशेष रूप से सडनध्पैरा विल्ट (Sudden/Para Wilt) के प्रभावी प्रबंधन"
विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को कपास फसल के प्रमुख रोगों की पहचान, उनके कारण, रोकथाम एवं समेकित रोग प्रबंधन (IDM) की वैज्ञानिक तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विशेष रूप से सडनध्पैरा विल्ट के लक्षण, बचाव एवं प्रभावी नियंत्रण उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिससे किसान समय पर रोग प्रबंधन कर फसल की गुणवत्ता एवं उत्पादकता बढ़ा सकें।
इस प्रकार के विशेषज्ञ व्याख्यान किसानों एवं कृषि विस्तार अधिकारियों के तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ करते हैं तथा वैज्ञानिक, टिकाऊ एवं लाभकारी कपास उत्पादन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमेटी, जींद में दो दिवसीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

हमेटी, जींद में एनएफएसएनएम (NFSNM) योजना के अंतर्गत 14 एवं 15 जुलाई 2026 को आयोजित दो दिवसीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन अवसर पर प्रतिभागियों का समूह फोटो लिया गया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को कपास की उन्नत उत्पादन तकनीकों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, बीटी कपास तकनीक, समेकित कीट एवं रोग प्रबंधन, गुणवत्तापूर्ण बीज चयन तथा फसल उत्पादकता बढ़ाने की वैज्ञानिक विधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों एवं कृषि विस्तार अधिकारियों के तकनीकी ज्ञान और कौशल को सुदृढ़ करते हैं तथा हरियाणा में टिकाऊ, वैज्ञानिक एवं लाभकारी कपास उत्पादन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मेवात (नूंह) में डीएईएसआई प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह आयोजित

पीडी, आत्मा (ATMA), नूंह, जिला मेवात में वर्ष 2025-26 के दौरान आयोजित डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स (DAESI) प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को उन्नत कृषि तकनीकों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, फसल सुरक्षा, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा किसानों को वैज्ञानिक कृषि परामर्श प्रदान करने संबंधी महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम इनपुट डीलर्स की तकनीकी एवं सलाहकारी क्षमता को सद्दढ़ करते हैं तथा किसानों तक आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों के प्रभावी प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमेटी, जींद में डीएईएसआई अंतिम परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित

हमेटी, जींद के सभागार में 19 जुलाई 2026 को डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फ र इनपुट डीलर्स (DAESI) टी.पी. नं. 3154 की अंतिम परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई। यह परीक्षा 40 कक्षा आधारित प्रशिक्षण सत्रों एवं 8 फील्ड विजिट्स के सफल समापन के उपरांत आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को मृदा स्वास्थ्य, पोषक तत्व प्रबंधन, फसल उत्पादन तकनीक, कीट एवं रोग प्रबंधन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन तथा कृषि प्रसार सेवाओं से संबंधित विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अंतिम परीक्षा का उद्देश्य प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान एवं व्यावहारिक समझ का मूल्यांकन करना था। इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन कार्यक्रम इनपुट डीलर्स की तकनीकी क्षमता को सुदृढ़ करते हैं तथा किसानों तक वैज्ञानिक एवं आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रभावी प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमेटी, जींद में भंडारित अनाज के कीट एवं उनके प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हमेटी, जींद में डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स (DAESI) टी.पी. नं. 3201 के अंतर्गत 19 जुलाई 2026 के प्रातःकालीन सत्र में डॉ. रिंकू पूनिया, सहायक प्रोफेसर (कीट विज्ञान), कृषि महाविद्यालय, कौल, सीसीएसएचएयू, हिसार ने "भंडारित अनाज के कीट एवं उनका प्रबंधन (Storage Pests and Their Management)" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को भंडारित अनाज में लगने वाले प्रमुख कीटों की पहचान, उनसे होने वाली क्षति, सुरक्षित भंडारण तकनीकों तथा वैज्ञानिक एवं समेकित कीट प्रबंधन (IPM) उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही अनाज की गुणवत्ता बनाए रखने एवं भंडारण के दौरान होने वाले नुकसान को कम करने के प्रभावी उपायों पर भी विशेष बल दिया गया। इस प्रकार के विशेषज्ञ व्याख्यान इनपुट डीलर्स के तकनीकी ज्ञान एवं सलाहकारी क्षमता को सुदृढ़ करते हैं, जिससे वे किसानों को सुरक्षित भंडारण एवं वैज्ञानिक कीट प्रबंधन संबंधी प्रभावी मार्गदर्शन प्रदान कर सकें।

हमेटी द्वारा संचालित कृषि कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का नूंह में सफल समापन

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के तत्वावधान में हमेटी (हरियाणा एग्रीकल्चर मैनेजमेंट एंड एक्सटेंशन ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट), जींद द्वारा संचालित डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स (DAESI) कृषि कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह वाईएमडी (YMD) कॉलेज, नूंह में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं इनपुट डीलर्स को आधुनिक कृषि तकनीकों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, फसल उत्पादन, कृषि व्यवसाय, वैज्ञानिक कृषि परामर्श तथा कृषि आधारित स्वरोजगार के लिए दक्ष बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विशेषज्ञों द्वारा सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया। समापन समारोह में अतिथियों ने सफल प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए कृषि क्षेत्र में नवाचार, उद्यमिता एवं वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन तैयार करने तथा किसानों तक आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रभावी प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमेटी, जींद में अनुसूचित जाति किसानों के लिए सुरक्षित कीटनाशक उपयोग एवं स्प्रे तकनीक पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हमेटी, जींद में 20 से 24 जुलाई 2026 तक आयोजित अनुसूचित जाति (SC) किसानों के लिए 5-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 45 किसानों को स्प्रे तकनीक एवं कीटनाशकों के सुरक्षित उपयोग विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. वजीर चौहान, सेवानिवृत्त विषय विशेषज्ञ, कृषि विभाग ने विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

व्याख्यान के दौरान किसानों को स्प्रे उपकरणों के सही उपयोग, कीटनाशकों के सुरक्षित एवं संतुलित प्रयोग, व्यक्तिगत सुरक्षा उपाय (PPE), फसल संरक्षण की वैज्ञानिक तकनीकों तथा पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। साथ ही प्रभावी स्प्रे प्रबंधन के माध्यम से फसल की गुणवत्ता एवं उत्पादकता बढ़ाने के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों की तकनीकी क्षमता को सुदृढ़ करते हैं तथा सुरक्षित, वैज्ञानिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गाँव जगान, हिसार में प्राकृतिक खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

हमेटी, जींद द्वारा गाँव जगान, ब्लॉक अग्रोहा, जिला हिसार में सीआरपी किसान श्री रामसिंह के फार्म पर प्राकृतिक खेती विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में किसानों को प्राकृतिक खेती की वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक तकनीकों की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान किसानों को जीवामृत, घनजीवामृत, वाफसा, मल्चिंग, प्राकृतिक पोषण प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण तथा रसायन-मुक्त खेती के सिद्धांतों एवं तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही प्राकृतिक खेती अपनाकर उत्पादन लागत कम करने, मृदा की उर्वरता बढ़ाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लाभों पर भी विशेष चर्चा की गई। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं तथा टिकाऊ, पर्यावरण-अनुकूल एवं लाभकारी कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमेटी, जींद में 5-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह आयोजित

हमेटी, जींद में 20 से 24 जुलाई 2026 तक आयोजित अनुसूचित जाति (SC) के 44 किसानों के लिए 5-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण स्प्रे तकनीक, कीटनाशकों के सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण उपयोग विषय पर केंद्रित था। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता डॉ. सुरेन्द्र यादव, निदेशक, हमेटी ने की।

अपने संबोधन में डॉ. सुरेन्द्र यादव ने किसानों से वैज्ञानिक एवं सुरक्षित स्प्रे तकनीकों को अपनाने, कीटनाशकों का संतुलित एवं आवश्यकता अनुसार उपयोग करने तथा पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आधुनिक स्प्रे तकनीक, व्यक्तिगत सुरक्षा उपाय (PPE), फसल सुरक्षा, कीटनाशकों के सही चयन एवं उपयोग तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों की तकनीकी क्षमता को सुदृढ़ करने, सुरक्षित ेषि पद्धतियों को बढ़ावा देने तथा टिकाऊ एवं लाभकारी खेती को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमेटी, जींद में डीएईएसआई डिप्लोमा प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह आयोजित

हमेटी, जींद में वर्ष 2025-26 के दौरान आयोजित डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स (DAESI) के एक वर्षीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव ने की।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. सुरेन्द्र यादव ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान एवं कौशल का उपयोग किसानों तक आधुनिक, वैज्ञानिक एवं टिकाऊ कृषि तकनीकों को पहुँचाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इनपुट डीलर्स किसानों के महत्वपूर्ण सलाहकार होते हैं और उनकी तकनीकी दक्षता कृषि उत्पादकता बढ़ाने तथा किसानों की आय में वृद्धि करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इस एक वर्षीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, फसल उत्पादन तकनीक, कीट एवं रोग प्रबंधन, बीज गुणवत्ता, कृषि आदानों के वैज्ञानिक उपयोग तथा कृषि प्रसार सेवाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि क्षेत्र में दक्ष मानव संसाधन तैयार करने तथा किसानों तक वैज्ञानिक कृषि तकनीकों के प्रभावी प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र, भिवानी में डीएईएसआई प्रशिक्षण के तहत प्रमुख फसलों की उत्पादन तकनीकों पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

कृषि विज्ञान केंद्र, भिवानी में आयोजित डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स (DAESI) टी.पी. नं. 3341 के अंतर्गत 25 जुलाई 2026 के प्रातःकालीन सत्र में डॉ. बी. डी. यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त), सीसीएसएचएयू, हिसार ने "स्थानीय प्रमुख फसलों ग्वार एवं सरसों की उन्नत उत्पादन तकनीकें (Crop Production Technologies of Major Local Crops – Guar & Mustard)" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को ग्वार एवं सरसों की उन्नत किस्मों, वैज्ञानिक बुवाई, मृदा एवं पोषक तत्व प्रबंधन, जल प्रबंधन, खरपतवार एवं कीट-रोग प्रबंधन तथा अधिक उत्पादन एवं बेहतर गुणवत्ता प्राप्त करने की आधुनिक कृषि तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप टिकाऊ एवं लाभकारी खेती के उपायों पर भी विशेष चर्चा की गई। इस प्रकार के विशेषज्ञ व्याख्यान इनपुट डीलर्स के तकनीकी ज्ञान एवं सलाहकारी क्षमता को सुदृढ़ करते हैं, जिससे वे किसानों तक वैज्ञानिक एवं आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रभावी प्रसार कर सकें।

हमेटी, जींद में डीएईएसआई प्रशिक्षण के अंतर्गत मौसमीय मानकों एवं कृषि उत्पादन पर उनके प्रभाव विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हमेटी, जींद में आयोजित डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स (DAESI), टी.पी. नं. 3201 के अंतर्गत 26 जुलाई 2026 के प्रातःकालीन सत्र में डॉ. ओ. पी. नेहरा, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त), सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCS HAU), हिसार ने "मौसमीय मानक एवं उनका कृषि उत्पादन पर प्रभाव (Weather Parameters and Their Impact on Agricultural Production)" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को तापमान, वर्षा, आर्द्रता, वायु की गति तथा अन्य मौसमीय कारकों का विभिन्न फसलों की वृद्धि, विकास एवं उत्पादन पर पड़ने वाले प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही बदलती जलवायु परिस्थितियों में फसल नियोजन, मौसम आधारित कृषि प्रबंधन, जोखिम कम करने की रणनीतियों तथा वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने पर विशेष जोर दिया गया। इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं विशेषज्ञ व्याख्यान इनपुट डीलर्स के तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ करते हैं, जिससे वे किसानों को मौसम आधारित वैज्ञानिक सलाह देकर बेहतर उत्पादन एवं टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

हमेटी, जींद में डीएईएसआई प्रशिक्षण के अंतर्गत लघु किसानों के सशक्तिकरण में एफपीओ की भूमिका पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हमेटी, जींद में आयोजित डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स (DAESI), टी.पी. नं. 3414 के अंतर्गत 26 जुलाई 2026 के प्रातःकालीन सत्र में डॉ. डी. डी. शर्मा, पूर्व अधिष्ठाता (Dean), डॉ. वाई.एस. परमार यूनिवर्सिटी ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, नौणी, सोलन (हिमाचल प्रदेश) ने "लघु एवं सीमांत किसानों के सशक्तिकरण में किसान उत्पादक संगठन (FPO) की भूमिका एवं प्रभाव" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। इस प्रशिक्षण में कुल 40 प्रतिभागियों में से 37 प्रतिभागी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

व्याख्यान के दौरान डॉ. शर्मा ने किसान उत्पादक संगठनों(FPOs)की अवधारणा, गठन प्रक्रिया, सामूहिक विपणन, कृषि आदानों की सामूहिक खरीद, मूल्य संवर्धन, वित्तीय सहायता, सरकारी योजनाओं तथा किसानों की आय बढ़ाने में एफपीओ की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एफपीओ छोटे एवं सीमांत किसानों को संगठित कर उन्हें बेहतर बाजार, आधुनिक तकनीक एवं अधिक लाभ प्राप्त करने का प्रभावी माध्यम प्रदान करते हैं। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम इनपुट डीलर्स एवं कृषि क्षेत्र से जुड़े प्रतिभागियों के ज्ञान एवं कौशल को समृद्ध करते हैं, जिससे वे किसानों को संगठित, आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

गांव रिटोली (जींद) में प्राकृतिक खेती एवं सीएम पैक्स योजना पर एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण आयोजित

हमेटी, जींद द्वारा हरकोफेड के सहयोग से गांव रिटोली, ब्लॉक पिल्लूखेड़ा (जिला जींद) में सीआरपी किसान श्री बलेंद्र लोहान के फार्म पर प्रोंतिक खेती विषय पर एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में किसानों को प्राकृतिक खेती एवं कृषि विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुभाष चन्द्र, प्रशिक्षक (प्राकृतिक खेती), हमेटी ने किसानों को प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों, जीवामृत, घनजीवामृत, आच्छादन (मल्चिंग), मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, रसायन-मुक्त खेती तथा कम लागत में अधिक लाभ प्राप्त करने की तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने किसानों को प्रोंतिक संसाधनों के संरक्षण एवं टिकाऊ कृषि प्रणाली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर हरकोफेड के एसीईओ श्री ऋषिपाल 'योकंद ने किसानों को मुख्यमंत्री पैक्स (CM PACS) योजना के उद्देश्य, लाभ, सदस्यता प्रक्रिया तथा किसानों को उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सुविधाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों से सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपनी आय एवं कृषि व्यवसाय को सशक्त बनाने का आह्वान किया। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को वैज्ञानिक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने के साथ-साथ सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर,समृद्ध एवं टिकाऊ कृषि की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमेटी, जींद में अनुसूचित जाति किसानों को खरपतवार प्रबंधन की व्यवहारिक तकनीकों का प्रशिक्षण

हमेटी, जींद में 27 से 31 जुलाई 2026 तक आयोजित अनुसूचित जाति (SC) किसानों के लिए 5-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 28 जुलाई 2026 को प्रतिभागी किसानों को स्प्रे तकनीक, कीटनाशकों के सुरक्षित उपयोग एवं खरपतवार नियंत्रण (Weed Control Techniques) का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. वजीर चौहान, सेवानिवृत्त विषय विशेषज्ञ (SM) एवं मास्टर ट्रेनर ने हमेटी परिसर में किसानों को खरपतवार प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान किसानों को विभिन्न प्रकार के खरपतवारों की पहचान, उनके प्रभावी नियंत्रण के वैज्ञानिक उपाय, उचित शाकनाशी (Herbicide) का चयन, सही मात्रा एवं समय पर छिड़काव, स्प्रे उपकरणों का सुरक्षित उपयोग तथा व्यक्तिगत सुरक्षा उपायों (PPE) के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही खेत में व्यवहारिक प्रदर्शन के माध्यम से खरपतवार नियंत्रण की उन्नत तकनीकों का अभ्यास भी कराया गया।

इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को सुरक्षित एवं वैज्ञानिक फसल प्रबंधन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं, जिससे उत्पादन लागत में कमी, फसल की गुणवत्ता में सुधार तथा कृषि उत्पादकता में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके।

हमेटी, जींद में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर फलदार पौधारोपण अभियान आयोजित

दिनांक 28 जुलाई 2026 को विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर हमेटी, जींद परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संदेश के साथ फलदार पौधों का पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर हमेटी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान आम, अमरूद, जामुन एवं अन्य फलदार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन तथा स्वच्छ एवं हरित वातावरण के महत्व पर प्रकाश डाला गया। प्रतिभागियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनका संरक्षण करने तथा प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराता है। ऐसे अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ, स्वच्छ एवं हरित भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

हमेटी, जींद में अनुसूचित जाति किसानों को आधुनिक स्प्रे तकनीकों का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया

हमेटी, जींद में 30 जुलाई 2026 को आयोजित अनुसूचित जाति (SC) किसानों के लिए 5-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए 35 किसानों को स्प्रे तकनीक विषय पर व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. ओ. पी. नेहरा, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त), सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCS HAU), हिसार ने किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक स्प्रे तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. नेहरा ने किसानों को स्प्रे मशीनों के सही चयन एवं अंशांकन (Calibration), उचित नोजल का उपयोग, सही मात्रा एवं समय पर छिड़काव, कीटनाशकों के सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण प्रयोग तथा व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने यह भी समझाया कि वैज्ञानिक तरीके से स्प्रे करने से कीटनाशकों की प्रभावशीलता बढ़ती है, लागत कम होती है तथा पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।
इस प्रकार के व्यवहारिक प्रशिक्षण किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं तथा सुरक्षित, टिकाऊ एवं लाभकारी खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

Media Coversage

प्रकृति की रक्षा करना हर व्यक्ति का नैतिक कर्तव्य, पेड़ लगाकर ध्यान भी रखें : डा. सुरेंद्र

जागरण संवाददाता • जींदः विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर हमेटी के निदेशक डा. सुरेंद्र यादव ने पौधारोपण अभियान का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति की रक्षा करना हर व्यक्ति का नैतिक कर्तव्य है। जीवन के लिए आवश्यक भोजन, पानी और हवा प्रकृति से मिलते हैं। यदि हम प्रकृति का ध्यान नहीं रखेंगे, तो जीवन संकट में पड़ जाएगा। उन्होंने धरती की हरियाली को बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि शुद्ध हवा मिल सके।

डा. यादव ने पालिथीन के प्रयोग से बचने और पानी की बर्बादी रोकने की अपील की। उन्होंने खेती में रसायनिक कीटनाशकों और उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग से बचने की आवश्यकता बताई। हमेटी के प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षक डा. सुभाष चंद्र ने कहा कि हवा, पानी और मिट्टी जैसे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करने के लिए प्राकृतिक खेती को अपनाना चाहिए। रासायनिक कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रयोग प्राकृतिक संसाधनों को प्रदूषित करता है और विभिन्न जीवों की प्रजातियों को नष्ट करता है। इस अवसर पर डा. वजीर सिंह चौहान, अजय कुमार यादव, नरेश, विकास रंगा, कुलदीप सिंह, शमशेर और अमित भी उपस्थित रहे।

हमेटी में पौधारोपण करते स्टाफ सदस्य। • सौजन्य स्वयं

Media Coversage

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के तत्वधान में हमेटी द्वारा संचालित कृषि कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह वाईएमडी कॉलेज, नूंह में संपन्न

नूंह (शौकीन कोटला) 18 जुलाई - यासीन मेव डिग्री कॉलेज (वाईएमडी कॉलेज), नूंह में आज दिनांक 18 जुलाई 2026 को हमेटी (हरियाणा एग्रीकल्चरल मैनेजमेंट एंड एक्सटेंशन ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट - ल्रअटएळक) द्वारा संचालित कृषि कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर बताया गया कि हमेटी द्वारा संचालित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम हरियाणा के उन युवाओं के लिए आयोजित किया जाता है जो कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार एवं रोजगार के अवसर तलाश रहे हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में कृषि संबंधी कौशल का विकास करना तथा उन्हें आधुनिक कृषि सेवाओं के लिए प्रशिक्षित करना है। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है, जो भविष्य में खाद-बीज भंडार (एग्री-इनपुट सेंटर) स्थापित करने एवं कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न रोजगार अवसरों के लिए उपयोगी एवं आवश्यक माना जाता है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम यासीन मेव डिग्री कॉलेज, नूंह में अप्रैल 2026 के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ हुआ था। प्रशिक्षण की कक्षाएँ प्रत्येक रविवार आयोजित की जाती हैं तथा यह 48 सप्ताह की अवधि का कार्यक्रम है।

आज आयोजित समापन समारोह का उद्देश्य पिछले बैच के सफल प्रशिक्षित युवाओं को प्रशिक्षण प्रमाणपत्र वितरित करना था। समारोह के मुख्य अतिथि कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. एजाज अहमद रहे।

उन्होंने प्रशिक्षित युवाओं को प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं तथा कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया इस अवसर पर डॉ. अनिल कुमार, उप निदेशक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, नूंह (हरियाणा) एवं कार्यक्रम समन्वयक श्री मनोहर शर्मा सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना तथा कृषि क्षेत्र में कौशल आधारित रोजगार को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ हुआ।

कृषि एवं किसान
कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF
AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE

MANAGE
मैनेज

HELPLINE NUMBER
(NATION WIDE)

Information related to

NATURAL FARMING

Specifically for Master Trainers, Training Coordinators and Facilitators of *Krishi Sakhis*

HELP LINE

DIAL - 1800-599-1557

Timings - 9:00 A.M to 5.30 P.M
(Monday to Friday) All working days

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

National Institute of Agricultural Extension Management (MANAGE)
(An Autonomous Organization of Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Govt. of India)
Rajendranagar, Hyderabad 500 030, Telangana
www.manage.gov.in/nf/nf.asp

Follow us on

https://www.facebook.com/people/Hameti-Agriculture-Govt-Of-Haryana/100085796884495

https://www.instagram.com/hameti_jind?igsh=MW9tamg5cDV5eXpvMA==

https://www.youtube.com/@hametijind

https://x.com/Hameti_jind?t=SmkjZTrWKua5StdnrfwW4Q&s=08

TOLLFREE NUMBER: 18001803001 / 18001804002 / 1800180311/ 18001801551

HARYANA AGRICULTURAL MANAGEMENT & EXTENTION TRAINING INSTITUTE (HAMETI)

(An Institute of Agriculture & Farmers Welfare Department, Haryana)

Near Ch. Rabir Singh unioversity, Rohtak By-Pass, Jind-126102 Haryana

hametijind@gmail.com 01681-256453